हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

11 महाशिवरात्रि पर उमड़ी भक्तों की भीड़ जय भोले के...

11 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पहला...

खबर संक्षेप

मंदिर से दानपात्र व चांदी का छत्र चोरी

महेंद्रगढ़। गांव बुडीन के करणी माता मंदिर में अज्ञात चोर दानपात्र व माता की मूर्ति के ऊपर लगा चांदी का छत्र चोरी करके ले गए। मंदिर में पमजार करने वाले व्यक्त ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर केस दर्ज करवाया हैं। गांव बुडीन निवासी धीरज कुमार ने बताया कि वह करणी माता मंदिर बुडीन में आरती करने गया तो देखा कि मंदिर के अंदर के साईड के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। फिर अंदर देखा तो मंदिर के दान पात्र व माता की मूर्ति के ऊपर का लगा चांदी का छत्र व कैमरे की डीवीआर गायब मिली और वहां एक-दो सिक्के गिरे हुए मिले। उसने इसकी सूचना तुरंत गांव के लोगों को दी तथा डायल 112 पर कॉल की। फिर मौके पर डायल 112 आई और मौके पर वारदात का देखा।

नांगल चौधरी खंड में 1419 एकड़ मिसमैच एरिया लंबित

- रबी 2025-26 : महेंद्रगढ़ में मेरी फसल मेरा ब्यौरा पंजीकरण सतनाली व नांगल चौधरी में सबसे कम, कनीना व नारनौल आगे

हरियाणा में जिला तीसरे नंबर पर, पहले पर दादरी तथा दूसरे पर करनाल, ओवरऑल हरियाणा में 70.89 फीसदी पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रबी सीजन के तहत मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर फसल पंजीकरण का कार्य महेंद्रगढ़ जिले में अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। अब तक उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 300449 एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण हो चुका है जो कि निर्धारित 382289 एकड़ के मुकाबले 78.59 प्रतिशत है। अब तक 108451 किसानों ने अपनी फसल का ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। जिला प्रशासन के अनुसार शेष क्षेत्र का पंजीकरण तेजी से पूरा कराने के लिए ब्लॉक और पटवार सर्किल स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए रोजाना समीक्षा की जा रही है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले में सरसों की खेती का रकबा सबसे अधिक है। सरसों के बेहतर बाजार भाव और मौसम की अनुकूलता के कारण किसानों का रुझान इस ओर अधिक देखा जा रहा है। गेहूं भी प्रमुख फसल के रूप में दूसरे स्थान पर है। चना और जौ का क्षेत्र सीमित है जो मुख्यतः कुछ विशेष इलाकों तक केंद्रित है।

नांगल चौधरी और सतनाली में चुनौती

आंकड़ों के अनुसार नांगल चौधरी खंड में सबसे अधिक 1419 एकड़ का मिसमैच एरिया लंबित है जो जिले के कुल लंबित क्षेत्र का लगभग 74 प्रतिशत है। इसी प्रकार सतनाली में 447 एकड़ क्षेत्र का सत्यापन बाकी है। प्रशासन ने इन दोनों खंडों में विशेष टीमें तैनात कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। विशेष सत्यापन (स्पेशल वेरिफिकेशन) के अंतर्गत जिले में 13135 एकड़ क्षेत्र चिन्हित किया गया था जिसमें से 12887 एकड़ का कार्य पूरा हो चुका है। अब केवल 247 एकड़ का सत्यापन शेष है।

राज्य स्तर पर महेंद्रगढ़ की स्थिति मजबूत

हरियाणा में कुल मिलाकर 70.89 प्रतिशत क्षेत्र का पंजीकरण पूरा हो चुका है। इस तुलना में महेंद्रगढ़ जिला 78.59 प्रतिशत के साथ राज्य औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। राज्य के कई बड़े जिलों की तुलना में महेंद्रगढ़ का प्रतिशत अधिक है जिससे यह संकेत मिलता है कि जिले में प्रशासनिक समन्वय और किसानों की जागरूकता प्रभावी रही है। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अगले कुछ दिनों में शेष क्षेत्र का भी पंजीकरण पूरा कर राज्य में शीर्ष जिलों की सूची में स्थान बनाया जाए।

भौतिक सत्यापन भी अंतिम चरण में

केवल ऑनलाइन पंजीकरण ही नहीं बल्कि खेत स्तर पर भौतिक सत्यापन का कार्य भी साथ-साथ किया जा रहा है। पटवारियों और कृषि विभाग की टीमों द्वारा मौके पर जाकर फसल की पुष्टि की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार अधिकांश सर्किलों में सत्यापन कार्य अंतिम चरण में है और किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर तुरंत सुधार किया जा रहा है।

क्या कहते है अधिकारी

कृषि विभाग में टैक्निशियन असिस्टेंट सतीश इंदौरा ने बताया कि क्रॉस वैरिफिकेशन का कार्य प्रगति पर है। डाटा पूरी तरह सत्यापन होने के बाद रिवन्यू डिपोर्टमेंट में भेजा जाएगा।

सरसों और गेहूं का दबदबा

रबी सीजन में जिले की कृषि मुख्यतः गेहूं और सरसों पर आधारित है। 15 फरवरी तक के फसलवार पंजीकरण आंकड़े इस प्रकार हैं:

गेहूं :	36480 एकड़ (21887 किसान)
सरसों :	259214 एकड़ (83452 किसान)
चना :	1157 एकड़ (668 किसान)
जौ :	249 एकड़ (146 किसान)

क्यों जरूरी है फसल पंजीकरण

सरकारी योजनाओं का लाभ : फसल बीमा, मुआवजा और अनुदान सीधे पंजीकृत डेटा के आधार पर दिए जाते है। **प्राकृतिक आपदा में सहायता :** ओलावृष्टि, अतिवृष्टि या सूखा जैसी परिस्थितियों में राहत राशि का वितरण इसी रिकॉर्ड से होता है। **न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद :** मंडियों में सरकारी खरीद के लिए पंजीकरण आवश्यक है। **पारदर्शिता और रिकॉर्ड प्रबंधन :** भूमि और फसल का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होता है।

अटेली और कनीना बने मिसाल

सत्यापन कार्य में अटेली और कनीना खंडों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। दोनों ही खंडों में मिसमैच एरिया का शत-प्रतिशत सत्यापन पूरा कर लिया गया है। किसानों ने इन क्षेत्रों के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली की सराहना की है। वहीं महेन्द्रगढ़ खंड में केवल 33 एकड़ और नारनौल में मात्र 10 एकड़ क्षेत्र का सत्यापन शेष है। इन दोनों स्थानों पर लंबित कार्य अगले कुछ दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

ब्लॉकवार प्रदर्शन

कनीना अव्वल, सतनाली को रफ्तार की जरूरत

जिले के छह ब्लॉकों में पंजीकरण की स्थिति संतोषजनक है हालांकि कुछ स्थानों पर गति बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

कनीना :	56122 एकड़ (80.70%)
नारनौल :	61828 एकड़ (80.01%)
महेंद्रगढ़ :	71597 एकड़ (79.07%)
अटेली :	36841 एकड़ (78.60%)
नांगल चौधरी:	43851 एकड़ (76.24%)
सतनाली:	30208 एकड़ (74.53%)

कनीना और नारनौल ब्लॉक 80 प्रतिशत के आसपास पहुंचकर जिला स्तर पर शीर्ष पर बने हुए है। वहीं सतनाली और नांगल चौधरी में अभी भी 25 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र का पंजीकरण शेष है।

तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किया था शिलान्यास, अभी तक नहीं हुआ काम शुरू

सांसद के दखल के बाद प्रशासन सक्रिय आईएमटी को लेकर अहम बैठक आज

बैठक में सांसद ने लोकसभा के लंबित महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को लेकर अपनी बात रखी थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। वर्ष 2019 में आईएमटी का शिलान्यास करते हुए पूर्व सीएम। फाइल फोटो

आईएमटी की स्थापना को लेकर नव गठित कमेटी की आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि दिसंबर में दिल्ली के हरियाणा भवन में सांसद धर्मबीर सिंह की हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। इस बैठक में सांसद ने अपनी लोकसभा के लम्बित महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को लेकर अपनी बात रखी थी। आईएमटी के निर्माण के लिए सांसद ने एक कमेटी गठित करने की बात कही थी। सांसद ने कहा था कि भूमि को लेकर व अन्य किसी भी प्रकार की अडचन को दूर करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, एचएसआईआईडीसी, गांव के सरपंच, पूर्व सरपंच सहित कुछ अन्य सक्रिय लोगों की एक कमेटी गठित की जाए। ये कमेटी तालमेल बनाने का कार्य करेगी। संदीप मालड़ा ने बताया कि इस कमेटी में विधायक कंवर सिंह की अध्यक्षता में सभी पहलुओं पर बातचीत की जाएगी। साथ ही आने वाले समय में विधायक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय में आ रही अड़चनों को दूर करने का निवेदन किया जाएगा। आईएमटी की स्थापना इस इलाके के औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इससे बेरोजगारी की समस्या का समाधान होगा तथा आर्थिक विकास के रास्ते खुलेंगे। कमेटी की मीटिंग के बाद सांसद धर्मबीर सिंह को भी इस बारे अपडेट किया जाएगा। जिससे आगे की रूपरेखा तय करने में आसानी होगी।

विधायक ने भी विधानसभा में उठाया था मुद्दा

विधायक कंवर सिंह यादव ने भी विधानसभा सत्र के दौरान प्रश्न करते हुए कहा था लंबे समय से प्रस्तावित आईएमटी खुडाना पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है, जबकि इसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा किया गया था। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि जनता का सरकार पर भरोसा है, इसलिए इस परियोजना का कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाया जाए। वहीं जवाब में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा था कि प्रस्तावित आईएमटी खुडाना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है। इसलिए इस चरण पर काम शुरू करने की कोई समय सीमा नहीं बताई जा सकती। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के समय आईएमटी की घोषणा की गई थी, लेकिन यह एनएच-148बी से लगभग दो से ढाई किलोमीटर दूर है। आईएमटी के लिए न्यूनतम 1500 एकड़ भूमि की आवश्यकता है, जो वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि कनेक्टिविटी के लिए चौड़ी सड़क भी चाहिए और भूमि का विवरण ई-भूमि पोर्टल पर अपलोड करना होगा। जैसे ही पर्याप्त भूमि उपलब्ध कराई जाती है, सरकार आईएमटी बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देगी।

तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किया था शिलान्यास

24 फरवरी 2019 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गांव खुडाना की भूमि पर इसका शिलान्यास किया था। ग्राम पंचायत व ग्रामीणों की ओर से इस परियोजना के लिए प्रस्तावित 1200 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की सहमति भी दी थी। लेकिन स्टेट हाईवे 148बी से प्रस्तावित भूमि तक 250 फुट लंबा मुख्य रास्ता बनाया जाना है। इस रास्ते में निजी मलकीयत की भूमि भी शामिल है। इसके लिए कुछ किसानों की ओर से पहले खोले गए ई-भूमि पोर्टल पर सहमति दी जा चुकी है। वहीं सात साल में यह परियोजना सात कदम भी नहीं चल पाई है। अब लोगों को फिर से उम्मीद है कि प्रदेश सरकार जिले के लिए इस महत्वपूर्ण परियोजना पर तेजी से काम शुरू करेगी।

साइंस प्रोजेक्ट तैयार करते समय करंट से छात्र की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के मोहल्ला गस्तीवाड़ा में रविवार एक दसवीं कक्षा के स्टूडेंट की करंट लगने से मौत हो गई। 15 वर्षीय युवक अपने स्कूल के साइंस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। इस घटना के बाद पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई है।

शहर के मोहल्ला गस्तीवाड़ा निवासी विनोद का छोटा बेटा कार्तिक घर पर अपना साइंस प्रोजेक्ट तैयार कर रहा था। कार्तिक स्थानीय मॉडल संस्कृति स्कूल में कक्षा दसवीं का छात्र था और पढ़ाई में काफी होनहार माना जाता था।

परिजनों के अनुसार वह साइंस प्रोजेक्ट के काम के दौरान वह बिजली के तारों को जोड़ने के लिए सोल्डरिंग आयरन का इस्तेमाल कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसे जोरदार करंट लगा और वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजनों को जैसे ही हादसे का पता चला, वे आनन-फानन में कार्तिक को लेकर स्थानीय नागरिक अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में डॉक्टरों ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन करंट इतना तेज था कि कार्तिक के शरीर ने पहले ही दम तोड़ दिया था। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शाम को हुआ छात्र का अंतिम संस्कार

कार्तिक के परिवार में उसका एक बड़ा भाई है, जो वह भी शिक्षा ग्रहण कर रहा है। होनहार बेटे की अचानक मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद शव का शाम को पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। देर शाम गमगीन माहौल में स्थानीय श्मशान घाट पर मृतक किशोर का अंतिम संस्कार किया गया।

मंढाणा के प्रीतम ने मैराथन में जीता कांस्य पदक

नारनौल। अहमदाबाद में रविवार को आयोजित केडी 32 किलोमीटर मैराथन में गांव मंढाणा के प्रीतम कुमार ने कांस्य पदक जीता है। प्रीतम कुमार कई साल से लंबी दूरी की दौड़ो में अपनी कड़ी मेहनत से बहुत सारे मेडल जीते हैं। मेडल जीतकर जिले और क्षेत्र का नाम रोशन कर रहा है। इसमें टाटा मुम्बई हॉफ मैराथन, भोपाल हॉफ मैराथन, अलवर अंतरराष्ट्रीय मैराथन आदि शामिल है। प्रीतम कुमार की इस जीत पर सोनू वर्मा सेका ने गुलदस्ता देकर बधाई दी और गांव व क्षेत्र में खुशी की लहर है।

हैदराबाद में सम्मानित हुए डा. सुरेंद्र मित्तल

नारनौल। जनरल फिजिशयन एवं प्रसिद्धि मधुमेह रोग विशेषज्ञ डा. सुरेंद्र मित्तल को हैदराबाद में सम्मानित किया गया। वहां आयोजित डायबिटीज इंडिया कांन्फ्रेंस-2026 में प्रतिष्ठित फैलोशिप से उन्हें सम्मानित किया गया। डा. सुरेंद्र मित्तल इन दिनों नारनौल के हुडा सेक्टर के पास स्थित संवेदना हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे है।

राहुल गांधी झूठ बोलकर कर रहे गुमराह : शर्मा

महेंद्रगढ़। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने राहुल गांधी की तरफ से हालिया भारत अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए गए बयान के बाद राहुल गांधी पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी झूठ फैलाकर देश की जनता को गुमराह करना चाहते हैं, जिसको देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता में किसानों और मछुआरों के हित पूरी तरह से सुरक्षित किए गए हैं, जिसमें भारत के हितों का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है। शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर यह भी आरोप लगाया कि वे झूठ फैला रहे हैं, लोगों को गुमराह कर रहे, हैं। राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा देश में चला रहे हैं। राहुल गांधी की नीति है झूठ बोलो, जोर से बोलो, बार बार बोलो, जनता को गुमराह करो। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नीतियां हमेशा भाजपा द्वारा देश हित में किए गए महत्वपूर्ण निर्णय के खिलाफ बोलने की रही है। राहुल गांधी देश में ही नहीं, अपितु भारत से बाहर जाकर भी विदेश में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश हित में नीतियों का विरोध करते हैं, जो कि बिल्कुल गलत है। शर्मा ने कहा कि वे जल्द ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलेंगे, उनके मंत्री काल में आईएमटी खुड़ाना और माधोगढ़ किले पर शुरू किए गए कार्य को जल्द अमलीजामा पहनने का अनुरोध करेंगे।

भौड़ी में हिंदू सम्मेलन आयोजित, एकजुटता पर दिया जोर

मंडी अटेली। बाबा गोगा जी आश्रम भौड़ी में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ यज्ञ हवन से हुआ। आचार्य नीरज, जिला सहसंचालक राम जीवन और कृष्णा आर्य ने जन समुदाय को संबोधित किया। मंच संचालन श्रीराम सेवा ट्रस्ट के प्रधान ओपी चौहान ने किया। मुख्य अतिथि रामजीवन ने कहा कि हिंदू समाज में संगठन और एकता बनाए रखना समाज की मजबूती के लिए जरूरी है। हमें जागरूक, संस्कारवान और संगठित समाज बनाने पर जोर देना चाहिए। कार्यक्रम में कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता तथा स्वदेशी जागरण पर भी प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय सेविका समिति जिला संयोजिका अनीता ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति और जीवन मूल्यों को बढ़ावा देना और समाज में एकता और समरसता को मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने सनातन संस्कृति और जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। रामौतार पुरुषार्थी ने अपनी ओजस्वी शैली में धर्म संस्कृति एवं नीतिगत भजन एवं रागनियां प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया। इस मौके पर गांव भौडी के सरपंच प्रदीप चौहान, फ्लाइंग ऑफिसर ओमप्रकाश यादव, महंत राजू दास, प्रो.डॉ रजनी आदि मौजूद रहे।

हिंदू सम्मेलन में सामाजिक जागरूकता का दिया संदेश

नारनौल। शहर में निजामपुर रोड स्थित महाचमत्कारी बालाजी मंदिर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रातः काल हवन के बाद मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों की ओर से भारत मां के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम मे सामाजिक जागरूकता के लिए पंच प्रवाह पर प्रकाश डाला गया। मुख्य वक्ता के रूप में कड़िया वाला मंदिर के पुजारी नरेंद्र शर्मा ने सनातन धर्म एवं संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करना है। संघ के जिला कार्यवाह मनोज शास्त्री ने संगठन का परिचय दिया और संघ के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ जितेंद्र भारद्वाज ने सामाजिक समरसता एवं नागरिक कर्तव्य पर अपना वक्तव्य विस्तार से प्रस्तुत किया। सावित्री संघी ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संचालन प्रवक्ता राजेश शर्मा ने किया। प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम मे सुरेंद्र कुमार प्राचार्य, पूर्व प्राचार्य धर्मवीरसिंह, रोहतास कुमार, सावित्री संघी, सुरेश संघी, लालाराम शर्मा, पूर्व प्राचार्य श्याम सुन्दर शर्मा, गुलाब सिंह, डॉ कृष्ण कुमार सहित नगर के अनेक लोग उपस्थित रहे।

नशा भगाओ समाज बचाओ रैली में दिखा उत्साह

नांगल चौधरी। चौधरी बैजनाथ गर्ल्स कॉलेज के तत्वाधान में नोलायजा गांव में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ सीनियर प्राध्यापक डॉ अखिलेश कुमार ने किया है। उन्होंने एनएसएस वालियंटरों को सामाजिक कुरीतियां मिटाने के लिए प्रेरित किया, जिससे अपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाना संभव पाएगा। इस दौरान वालियंटरों ने गांव में नशा भगाओ समाज बचाओ रैली निकाली तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि संस्कार और संस्कृति से समावेशित शिक्षा ही समाज को विकसित करने में मददगार होती है। इसके लिए सरकार ने स्कूल व कॉलेजों में एनएसएस युनिट स्वीकृत की हैं। एनएसएस के वालियंटरों का दायित्व स्वच्छता तक ही सिमित नहीं होता, बल्कि आमजन की मानसिकता में बदलाव लाना ही उद्देश्य निर्धारित किया गया है। पहले मैं नहीं आप की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है जिससे सामाजिक सम्मान में वृद्धि हो सकेगी। गर्ल्स कॉलेज प्रशासन के निर्देशानुसार लायजा गांव में सात दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया गया

महाशिरात्रि पर व्यवस्था रही दुरुस्त, एसडीएम ने देखी सुरक्षा-व्यवस्था

बाघेश्वर धाम बागोत में शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

7 कनीना |बम-बम के उद्घोष के बीच कतारबद्ध खड़े शिवभक्त

उत्तर भारत में प्रसिद्ध कनीना-दादरी मार्ग तथा एनएच 152 डी के समीप कनीना सब डिवीजन के गांव बागोत स्थित 'बाघेश्वर धाम' में महाशिवरात्रि पर्व रविवार को मनाया गया। इस दिन हजारों की संख्या में पहुंचे शिव भक्तों ने प्राकृतिक शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। महेंद्रगढ़ की एसडीएम कनीना गोयल भी मेले में पहुंची। भीड़ की सुरक्षा के लिए कनीना सदर थाना पुलिस कर्मचारी मुस्तैद रहे। कतारबद्ध खड़े शिवभक्त बम-बम का उद्घोष करते हुए आगे बढ़ते दिखाई दिए। कनीना के एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत व डीएसपी दिनेश कुमार ने बताया कि मेले में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए थे। मंदिर के महंत रोशनपुरी ने बताया कि मंदिर के बाहर व अंदर रेलिंग लगाने के साथ-साथ गर्भगृह में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाये गए हैं।

बाघ के आक्रमण से प्रसिद्ध हुआ बागेश्वर धाम

नागेंद्र शास्त्री ने एक किवदंती के माध्यम से बताया कि वर्षों पूर्व ऋषि पिप्लाद ने यहां पर तपस्या की थी। राजा दिलीप को कोई संतान नहीं थी। जिससे वे दुखी रहते थे और दुख के निवारण के लिए अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास गए और अपना दुखद वृतांत सुनाया। गुरु वशिष्ठ ने पिप्लाद ऋषि के आश्रम में नंदिनी नामक गाय व कपिला बछड़ी को उपवास रखकर जंगल में चराने, भोजन कराने को कहा। अब राजा दिलीप प्रतिदिन उपवास रखकर उन्हें चराने जंगल में जाते। एक दिन भगवान शंकर ने राजा दिलीप की परीक्षा लेने के मकसद से बाघ का स्वरूप धारण कर बछड़ी पर धावा बोलना चाहा। राजा की नजर जब बाघ पर पड़ी तो हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए कहा कि वे गाय-बछड़ी को छोड़कर उन्हें अपना भक्ष्य बना ले। उनका मानना था कि वह बछड़ी को खाने देते तो उन पर गाय का श्राप लगता ओर गाय को खाएगा तो उनकी तपस्या पूरी नहीं हो सकेगी। ऐसा कहकर उन्हें अपने आप को बाघ के सामने पटक दिया। कुछ समय बाद कोई हरकत नहीं होने पर उन्होंने सिर उठाकर देखा तो उनके सामने बाघ के स्थान पर भोले शंकर खड़े थे।

आने वाले समय में बदलेगी शहर की तस्वीर

महेंद्रगढ़। नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने रविवार को सार्वजनिक विश्राम गृह में आयोजित प्रेसवार्ता में महेंद्रगढ़ शहर के भविष्य के विकास खाके को विस्तार से प्रस्तुत किया। साथ ही उन्हें भी जमीन दिखाने का काम किया, जो उनको कठघरे में घेरने की फिराक में रहते हैं। उन्होंने कहा कि नगर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल टाउन बनाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है और आने वाले समय में शहर की तस्वीर पूरी तरह बदली हुई नजर आएगी। उनके अनुसार शुरुआती वर्षों में कई प्रशासनिक और तकनीकी अड़चनें सामने आईं, लेकिन अब परियोजनाएं गति पकड़ चुकी हैं और अधिकांश कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जा रहे हैं।

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाज़ार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था। 'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी | **मनोज कुमार वशिष्ठ**

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
ब्रह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता | **कर्म चन्द केसर**

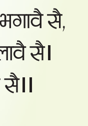

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा भाँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर् लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

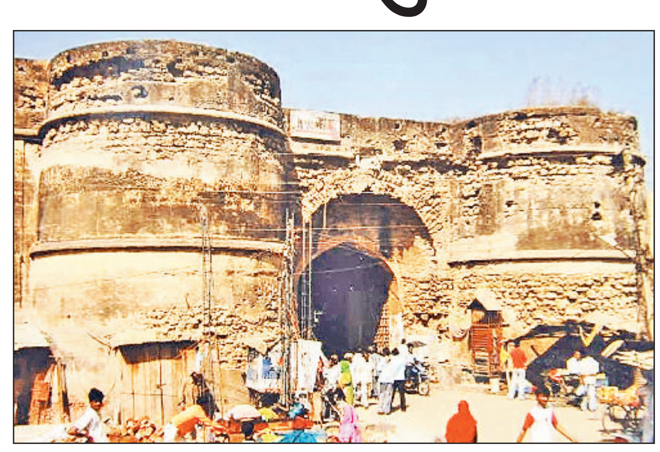

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार | **डा. तबस्सुम जहां**

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहज़े व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहज़े, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

खबर संक्षेप

युवक ने फांसी लगाकर जीवनलीला की समाप्त

महेंद्रगढ़। गांव मेघनवास निवासी 27 वर्षीय युवक ने गांव माधोगढ़ की घाटी में कीकर के पेड़ पर फांसी लगाकर ऑत्महत्या कर ली। युवक 14 फरवरी से लापता था। परिजनों द्वारा सिटी पुलिस थाने में गुमशुदगी का केस दर्ज करवाया हुआ था। वहीं मृतक की शादी करीब दो महीने पहले हीं गांव गोमला में हुई थी। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाशव परिजनों को सौंप दिया हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव मेघनवास निवासी 27 वर्षीय दीपक मसानी चौक पर एक कंप्यूटर दुकान पर हेल्पर का कार्य करता था। 14 फरवरी को समय करीब दो बजे कंप्यूटर की दुकान से बाजार का नाम लेकर निकला था।

शिव मंदिर में देशी घी का भंडारा आज

मंडी अटेली। 16 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन मौके पर अटेली बाईपास के नजदीक शिव मंदिर धनुन्दा कनीना रोड़ पर देशी घी के प्रथम भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन धनुन्दा शक्ति नगर के निवासियों के सहयोग से संपन्न होगा। मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। सरपंच रिंकू यादव, मंदिर पुजारी रणसिंह, पूर्ण मास्टर व अशोक यादव ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा भोलेनाथ का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है। आयोजकों ने सभी से सहयोग की भी प्रार्थना की है।

22 को ताजपुर में होगा क्रिकेट प्रतियोगिता

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव ताजपुर में विशाल क्रिकेट प्रतियोगिता 22 फरवरी को आयोजित की जा रही है। जिसमें मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 रामेश्वर दास महाराज होंगे। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 41 हजार द्वितीय को 21 हजार, तृतीय को 11 हजार एवं चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 51 सौ रुपये का नगद ईनाम दिया जाएगा। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में मैन ऑफ दा सीरीज विजेता खिलाड़ी को 31 सौ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में अटेली क्षेत्र की अनेक टीम भाग लेंगी।

राजमार्ग को फोरलेन करने की मांग

कनीना। प्रदेश सरकार को महेंद्रगढ़–कनीना राजमार्ग को यथाशीघ्र चार मार्गीय कर आमजन को राहत प्रदान करनी चाहिए। यह मांग वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व संसदीय सचिव राव दानसिंह ने रविवार को कनीना में पत्रकारों के समक्ष व्यक्त की। वे यह एक विवाह समारोह में शरीक होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस वे 152डी से सीधे तौर पर जुड़ने के बाद कनीना–महेंद्रगढ़ राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन अत्यधिक बढ़ गया है, जिससे 152 डी से महेंद्रगढ़ और कनीना दोनों तरफ वाहनों की भीड़ लगी रहती है। आए दिन इस सड़क के दोनों ओर ट्रैफिक जाम के हालात बने रहते हैं। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार से कनीना–महेंद्रगढ़ राजमार्ग को फोरलेन में परिवर्तित कर आमजन को जाम लगने से होने वाली परेशानी, जाम लगने से होने वाले प्रदूषण तथा जाम में फंसने वाले वाहन मालिकों की जेब पर पेट्रोल, डीजल व सीएनजी की बढ़ती लागत से भी राहत मिलेगी।

जिलेभर में उत्साह और आस्था के शिवभक्तों ने की भोलेनाथ की अराधना

महाशिवरात्रि पर उमड़ी भक्तों की भीड़ जय भोले के उद्घोष से गूंजे शिवालय

- 'हर-हर महादेव' और 'जय भोले' के उद्घोष से पूरा गुंजायमान हुआ वातावरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव बेवल में हवन यज्ञ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'जय भोले' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

शहर के प्रमुख मोदाश्रम मंदिर, ठाकुर जी मंदिर, पंचमुखी मंदिर, श्याम मंदिर, माता संतोषी देवी मंदिर सहित के गांवों के मंदिर व अन्य शिवालयों में सुबह चार बजे से ही पूजा-अर्चना आरंभ हो गई थी। मंदिरों को फूल-मालाओं और विद्युत सज्जा से सजाया गया। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। श्रद्धालु बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, शहद और गंगाजल लेकर मंदिरों में पहुंचे और विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया। इस दौरान महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कई भक्तों ने निर्जला व्रत रखा और रात्रि जागरण में भी हिस्सा लिया। मंदिर परिसरों में स्वयंसेवकों ने प्रसाद वितरण और कतार व्यवस्था का प्रबंधन किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। प्रमुख मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया था और सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही थी।

महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का माहौल देखा गया। देर रात तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना जारी रहा। भक्त 'जय भोले' के नारों के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीन रहे। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर के मोदाश्रम मंदिर में मेले का आयोजन किया गया। मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान चंद्रमोली पर जलाभिषेक कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की गई। मंदिर परिसर को रंग बिरेंगी लाइटों से सजाया गया। वहीं मेले परिसर में कुश्ती प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ।

गांव बेवल में हुआ हवन-यज्ञ

महेंद्रगढ़। गांव बेवल में स्थित मनोकामना सिद्धि मंदिर में महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर पंडित हेमंत शर्मा के सानिध्य में यज्ञ-हवन आयोजित किया गया, जिसमें यजमान के रूप में ज्ञाना देवी पत्नी ओमकार सिंह, निर्मला देवी पत्नी ताराचंद, निहाली देवी पत्नी रामपाल, माया देवी पत्नी कुलदीप तथा एकता देवी पत्नी महेंद्र सिंह आदि पांच जोड़ों ने यजमान के रूप में उपस्थित होकर यज्ञ में पूर्ण आहूति डाली। तत्पश्चात उपस्थित श्रदालुओं खीर का प्रसाद वितरित किया गया। यज्ञ विधान पंडित हेमंत शर्मा ने विधि विधान से मंत्रोचारण करके संपन्न कराया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भारी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित थे तथा उन्होंने भगवान शिव से मनोकामना सिद्धि के लिए अरदास की। इस अवसर पर पंडित हेमंत शर्मा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को यज्ञ के महात्मय तथा भगवान शिव की निच्छल व समर्पित भाव से अर्चना करने का महत्त्व बताया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर भगवानदास चौधरी, सुरेंद्र सिंह नम्बरदार, सेवा निवृत्त हेडमास्टर प्रीतम सिंह, शिक्षाविद एवं साहित्यकार प्रताप सिंह शास्त्री, हरबिलास बालवान, सत्यवीर सिंह, गौसेवक प्रमोद बेवल, वीरेंद्र सिंह पंच, अभय सिंह पंच, रणवीर सिंह, गोविंद मिस्त्री, सूबे सिंह, रणधीर सिंह पंच, अशोक बोहरा, राजकुमार, मंजू कौशिक, अनिल कौशिक महेंद्रगढ़ आदि अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नारनौल। शिवालय पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंजे शिवालय

- नारनौल में मोडावाला शिवालय मंदिर समेत शहर एवं आसपास के शिवालयों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

नारनौल। शहर में रविवार को महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम व श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। सभी शिवालयों में सुबह से ही भगवान शिव को जलाभिषेक करने के लिए मंदिर में भीड़ लगी रही। शहर के प्राचीन मोड़ावाला मंदिर व छोटा-बड़ा तालाब में तो भगवान शंकर का जलाभिषेक करने के लिए लोगों को काफी देर तक लाइन में लगे रहना पड़ा। महाशिवरात्रि पर भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए लोगों खासकर महिलाओं एवं कुंआरी कन्याओं ने व्रत रखकर विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। शहर के प्रसिद्ध मोडावाला शिव मंदिर तथा छोटा बड़ा तालाब शिव मंदिर में सुबह करीब पांच बजे से ही भक्तों की लाइनें लगनी शुरू हो गई थीं, जो दिन चढ़ने के साथ और बढ़ती गई। शहर के मंदिरों को शिवरात्रि के अवसर पर सजाया भी गया। शहर के प्राचीन हनुमान मंदिर, मोडावाला मंदिर, मां चामुंडा देवी मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों को फूलों की मालाओं व रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। वहीं सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए शहर के मंदिरों में पुलिस कर्मियों को भी ड्यूटी पर लगाया गया था, जिसके चलते मंदिरों में शिवरात्रि के दिन सुरक्षा के भी चाक चौबंद इंतजाम दिखे। मंदिरों में भजन-कीर्तन, आरती और प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में बेर, केले, गाजर एवं दूध युक्त जल चढ़ाया और अपने व परिवार के लिए सुख–समृद्धि की मंगलकामना की। सुहागिनों ने अपने पति की दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस दिन शहर के अन्य मंदिरों में भी दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने के कारण फलों की मांग में भी भारी बढ़ोतरी देखने को मिली। केला, सेब, संतरा और अंगूर के दामों में भी उछाल देखने को मिला। सबसे महंगे बेर देखे गए, जो बेर आम दिनों में 50 रुपये किलो थे, वह महाशिवरात्रि को सीधे 100 रुपये किलो की दर से बेचे गए।

शहर में निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। प्रभात फेरी में श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 181वीं प्रभात फेरी शहर के मौहल्ला रावका से निकाली गई। फागुन मास की महाशिवरात्रि के दिन सुबह सात बजे आयोजित इस प्रभात इस फेरी के यजमान प्रेम मिस्त्री परिवार के साथ लोगों को राधे-राधे नाम का जाप किया। संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि अल सुबह की प्रभात में ठाकुरजी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाकर यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर मौहल्ला रावका, वाल्मीकि बस्ती, छिपी जोहड़, नलापुर, मोटा महादेव मंदिर, व्यास जी की हवेली से परिक्रमा करके झूमते-नाचते-गाते हुए जब भक्तों की टोलियां गई।

योग, क्रिकेट मैच और पौधरोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। एनएसएस कैंप में भाग लेते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में राष्ट्रीय सेवा योजनाके सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन रविवार को योग गतिविधि, क्रिकेट मैच एवं पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, खेल भावना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः योग गतिविधि से हुई। योग अभ्यास के दौरान विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम के माध्यम से मानसिक शांति, एकाग्रता और शारीरिक सुदृढ़ता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। योग सत्र ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना एवं खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। इस खेल गतिविधि ने विद्यार्थियों में आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को और मजबूत किया। दिन के अगले चरण में पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत संस्थान परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। स्वयंसेवकों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अभियान के माध्यम से हरियाली बढ़ाने तथा भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव ने कहा कि योग, खेल और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महोत्सव में गायकों ने समां बांधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना की पुरानी अनाज मंडी में बीती रात्रि आयोजित किए गए 12वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में गायक कलाकारों ने समां बांध दिया। इस दौरान आकर्ष झांकी भी प्रस्तुत की गई। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से आयोजित इस समारोह में दूर-दराज से अनेक श्रद्धालु शामिल हुए। मंडल के प्रधान अनिल गुप्ता ने बताया कि बताया कि उनकी ओर से 22 फरवरी को 11वी निशान पद एवं शोभा यात्रा शुरू होगी जो हुड़िया जैतपुर के लिए रवाना होगी। इसके बाद 27 फरवरी को राधा कृष्ण मंदिर कनीना मंडी से निशान पदयात्रा प्रारंभ होगी, जो श्रीश्याम मंदिर बस स्टैंड कनीना पहुंचेगी। जिसमें अनेक श्रद्धालु शामिल होंगें। इस मौके पर नपा के बलबीर सिंह धनखड़, एमई दिनेश यादव, जेई राकेश कुमार, सचिन शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

कनीना। भजनों की प्रस्तुति देते गायक।

जेजेपी का दावा : सरकार ने टेके घुटने, बढ़ाई पेंशन राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जननायक जनता पार्टी के लगातार संघर्ष और जनदबाव के आगे आखिरकार प्रदेश सरकार को झुकना पड़ा। बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन बढ़ाने के साथ सरकार को पीपीपी की जनविरोधी शर्तें हटाने का मजबूरन फैसला लेना पड़ा।

यह दावा जेजेपी जिला प्रधान राजकुमार खातोद और जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने रविवार प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से किया। उन्होंने कहा कि करीब दो साल बाद मात्र दो 200 रुपये की बढ़ोतरी करके सरकार अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की बेलगाम महंगाई में 200 रुपये की कोई राहत नहीं, बल्कि गरीब, बुजुर्ग और बेसहारा लोगों का खुला मजाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के नाम पर हजारों जरूरतमंदों की पेंशन काट दी। गलत एंट्रियों से लोगों को महीनों दफ्तरों के चक्कर कटवाए और पात्र लाभार्थियों को जानबूझकर परेशान किया। जेजेपी लगातार इस मुद्दे पर सरकार पर दबाव बना रही थी। गांव-गांव जाकर पीड़ितों से मुलाकात की ओर गांव-गांव लेवल पर आंदोलन किया। ज्ञापन सौंपे गए। प्रेस विज्ञप्ति लगातार जारी की गई, तब जाकर सरकार को पीपीपी की शर्तें हटानी पड़ीं। राजकुमार खातोद ने साफ कहा कि यह फैसला सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि जेजेपी की सड़क पर उतरकर जन आंदोलन करने की धमकी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व, विशेषकर दुष्यंत चौटाला, हमेशा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मजबूत करने के पक्ष में खड़ा रहा है।

मंडलाना में बसपा की समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। बसपा की समीक्षा बैठक में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बहुजन समाज पार्टी जिला महेंद्रगढ़ के तत्वाधान में विधानसभा स्तर पर संगठन को मजबूत करने को लेकर अम्बेडकर भवन गांव मंडलाना में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि बसपा पार्टी के भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा के प्रभारी पवन ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया मौजूद रहे।

बैठक के दौरान पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि पवन ठाकुर ने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक मजबूती पर विशेष जोर देते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से पार्टी हित में अनुशासन व समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया तथा संगठन विस्तार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष रामसिंह, विनोद, तुषार तायल, मदन लाल, सुभाष चंद्र, भोलाराम, अजय सिंह, रघुवीर सिंह, अखिल, मनीष सहित विधानसभा क्षेत्र के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संतराम बीए थे भारतीय समाज सुधारक

नारनौल। प्रगतिशील प्रजापति संगठन नसीबपुर में संतराम बीए का जन्मदिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जयंती समारोह की अध्यक्षता कुंदनलाल ने की। इस अवसर पर सीताराम प्रधान व अन्य गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि संतराम बीए एक प्रमुख भारतीय समाज सुधारक, लेखक और संपादक थे, जिन्होंने जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी और एक वर्गहीन समाज की स्थापना के लिए काम किया। उनका जन्म 14 फरवरी, 1887 को पंजाब के होशियारपुर जिले के पुरानी बसी गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा बजवाड़ा के हाई स्कूल में प्राप्त की और 1909 में गवर्नमेंट कॉलेज लाहौर से बीए की परीक्षा पास की। संतराम बीए ने अपने जीवन में एक सौ से अधिक पुस्तकों की रचना की और कई पत्रिकाओं का संपादन किया, जिनमें 'ऊषा', 'आर्य-मुसाफिर', 'भारती', 'दीपक' शामिल हैं। उन्होंने 1922 में जात-पात तोड़क मंडल की स्थापना की, जिसका उद्देश्य जाति व्यवस्था को तोड़ना था। संतराम जीवनपर्यंत समाज सुधार के लिए लड़ते रहे। वक्ताओं ने कहा कि आज भी समाज में वह शिक्षण संस्थानों में भयंकर असमानता व भेदभाव व्याप्त है। इस दिशा में यूजीसी कानून तो लाया गया, मगर सरकार समाज के छोटे से तबके द्वारा विरोध करने पर उसको लागू नहीं कर पाई। इसलिए जरूरत है कि इस यूजीसी कानून को समझ में वह शिक्षण संस्थानों में भेदभाव मिटाने के लिए व समानता लाने के लिए तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने बताया कि संतराम बीए का 31 मई 1988 को 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

मंडी अटेली। सलूनी में विराट हिंदू सम्मेलन में सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सलूनी में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सलूनी में बड़कोदा मंडल के द्वारा रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि गोविंद गिरी महाराज रहें। कार्यक्रम अध्यक्षता सलूनी के पूर्व सरपंच ओमप्रकाश ने की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज में आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने जागरूक, संस्कारवान और संगठित समाज बनाने पर जोर दिया। हिंदू समाज में संगठन और एकता बनाए रखना समाज की मजबूती के लिए जरूरी है।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर गोविंद गिरी महाराज, रणधीर सिंह आर्य, महेश कुमार, राजकुमार, शेरसिंह, प्रीतम सरपंच, राजकुमार सरपंच सलूनी, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, मास्टर ओमप्रकाश खनगवाल, पूर्व सरपंच अजीत सिंह सलूनी के अलावा अन्य मौजूद रहे।

बाबा श्याम की निशान पदयात्रा 26 फरवरी को

महेंद्रगढ़। श्री श्याम प्रेम मंडल के तत्वावधान में इस वर्ष भी बाबा श्याम की विशाल पैदल निशान पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के सदस्यों ने बताया कि यह यात्रा 26 फरवरी को प्रातः 7:15 बजे प्राचीन शिव मंदिर नजदीक बड़ा दरवाजा से प्रारंभ होगी। यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई श्री श्याम मंदिर जैतपुर धाम के लिए रवाना होगी। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में निशान लेकर पैदल यात्रा करते हुए जैतपुर धाम पहुंचेंगे और बाबा श्याम के चरणों में निशान अर्पित करेंगे। मंडल के सदस्य सुनील शर्मा व बिशन दयाल सोहली ने बताया कि 27 फरवरी को फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर जैतपुर धाम में विनोद शर्मा के सानिध्य में बाबा का विशाल भंडारा एवं जागरण आयोजित किया जाएगा।

यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है : कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पहला स्टार्टअप शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। स्टॉर्टअप शुरु होने के बाद रमीश अहमद कुलपति के साथ।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय का पहला स्टार्टअप फलकलिंक लॉजिस्टिक्स आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया है। यह स्टार्टअप विधि विभाग के विद्यार्थी रमीश अहमद द्वारा स्थापित किया गया है, जो विश्वविद्यालय के नवाचार एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का पहला स्टार्टअप दर्ज होना विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता और व्यावहारिक शिक्षा की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों को रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय भविष्य में भी ऐसे स्टार्टअप्स को हरसंभव शैक्षणिक और संस्थागत सहयोग प्रदान करता रहेगा। समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि हकेवि नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है, जिससे युवाओं को अपने विचारों को उपक्रमों में बदलने का अवसर मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि अंतःविषयक शिक्षा और मार्गदर्शन इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने रमीश अहमद को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक नीतिगत, संरचनात्मक एवं प्रशासनिक सहयोग प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उद्यमिता के क्षेत्र में खुलेंगे करियर के विकल्प

इंस्टिट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की अध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विद्यार्थी एवं मार्गदर्शक शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि फलकलिंक लॉजिस्टिक्स का पंजीकरण अन्य विद्यार्थियों को उद्यमिता को करियर विकल्प के रूप में अपनाने की प्रेरणा देगा। विश्वविद्यालय ऐसे छात्र उद्यमियों का सतत मार्गदर्शन और परामर्श करता रहेगा। विश्वविद्यालय में नवाचार एवं इनक्यूबेशन केंद्र के निदेशक प्रो. आशीष माथुर ने कहा कि विश्वविद्यालय नवोदित उद्यमियों को आवश्यक विशेषज्ञता और संसाधन प्रदान करने के लिए समर्पित है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। विश्वविद्यालय परिवार ने रमीश अहमद को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उन संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन की सराहना की जिन्होंने इस सफलता में योगदान दिया।

वर्तमान व भावी पीढ़ी के लिए 'सांस्कृतिक विरासत' खजाना जैसा
4 साल में जुटाया अहीरवाल के 2500 गांव-ढाणी का इतिहास

नारनौल। अहीरवाल क्षेत्र का नक्शा व सत्यव्रत शास्त्री

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सांस्कृतिक विरासत भी वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए एक खजाना जैसा होता है, जिस पर गर्व करने जैसा अनुभव होता है। यदि कोई व्यक्ति अपने पिता दादा परदादा से चली आ रही संपत्ति पर गर्व करके अपने आप को स्थापित करता है। परंतु यदि उन द्वारा स्थापित मर्यादाएं, परंपराएं का न तो पालन करने और न हीं उनके संवर्धन के कोई योजना बनाई तो वह धन, संपत्ति पर बहुत दिन तक सुरक्षित नहीं रह सकती। वर्तमान समय में अहीरवाल क्षेत्र के लोगों के साथ कुछ यही हो रहा है। पूर्वजों की कमाई संपत्ति के द्वारा अपना भरण पोषण, व्यापार और व्यवहार चला रहे हैं परंतु उनके द्वारा स्थापित मर्यादाएं, परंपराओं और उनकी के कठिन परिश्रम का गुणगान करते नजर नहीं आते।

क्षेत्र में दिखाई देते है महाभारत कालीन अवशेष

हरिभूमि से बातचीत करते हुए रविवार सांस्कृति अहीरवाल संस्था के अध्यक्ष सत्यव्रत शास्त्री ने बताया कि अहीरवाल का भौगोलिक क्षेत्र दिल्ली के डाबर क्षेत्र से लेकर ऐतिहासिक पहचान रखने वाले विराटनगर भामरु तक तथा सोहना तावडू की पहाड़ियों से लेकर श्रीमाधोपुर तक तथा बुहाना सिंघाना से लेकर भिवाड़ी, श्री किशनगढ़ की सीमा तक फैला है जो अपने ऐतिहासिक घटनाक्रमों से विश्व को प्रभावित करता आया है। महाभारत कालीन अवशेष इस क्षेत्र में स्याना, सोमतीर्थ कांटी, दनचोली, जेरपुर, बगथला, बारहकी, ढोसी, गुरुग्राम, सांप की नंगली व ढोकन अनेक स्थानों पर दिखाई देते हैं। ब्राह्मण काल के बाघोत, जैतपुर, बहराम भंडगी धार्मिक स्थानों से सुसज्जित यह भूमि पतित पावन रही है।

अहीरवाल क्षेत्र की यह है खूबी

मुगल काल, मुस्लिम काल और अंग्रेजी काल के इब्राहिम की रेवाड़ी की लूट, सतनामी युद्ध, मांढण का युद्ध, गोकलगढ़ का युद्ध, नसीबपुर युद्ध, रेजांगला का युद्ध, हाजीपीर का युद्ध के संघर्ष की गाथा, यहां कण-कण में सुनाई देती है। ऋषि उद्दालक, श्वेतकेतु, नचिकेता, भर्तृहरि, महर्षि दयानंद, बाबा बालनाथ, स्वामी सोमानंद, रामस्वरूप दास बाबा रामेश्वर दास, नारायण दास महाराज जैसे साधु, संतों व तपस्वियों के आशीर्वचनों से यहां का हर क्षेत्र संतृप्त लगता है। शेरशाह सूरी, राव बालकृष्ण, चौधरी रुपराम, चौधरी हरभजनसिंह, रावप्राणसुख, राव तुलसीराम, राव मित्र सेन, राव तुलाराम, राव गोपालदेव, राव किशन गोपाल, राव रामलाल, कमांडर बबरुभान यादव जैसे वीर योद्धाओं, राजा रजवाड़े की वीरता की कहानी हर स्तर पर गर्व को अनुभव करने वाली कहानियां सुनने को मिलती है। अलीबक्स, रामकुमार खालेटिया सांगी, नेकीराम, पं ताराचंद वैदिक तोप, सारस्वत मोहन मनीषी अपनी वीरगाथाओं के गाने का संगीत ओजस्वी कविताओं से जनमानस को उद्धलित करने वाले गायक यहां हुए हैं। खेलों में नवाब पटौदी, श्री राम शेखावत, आशीष नेहरा, संतोष यादव, सुनीता चौकन, मनु भांखर, सतवीर गुर्जर, वेदप्रकाश जैसे खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी मेहनत से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपने विशिष्ट पहचान पहनावे से श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर युद्ध कौशल तक परिचित कराता है। यहां का बाजरा ,जौ, चना, ज्वार पौष्टिक भोजन की ताकत से दुनिया भर को अपनी ओर आकर्षित करता है। दुश्मन सेना को अहीरवाल के वीर योद्धाओं ने एक बार नहीं अनेक बार धूल चटाने का मौका प्राप्त किया है। जिमी कार्टर, रामबरण यादव, सुरजीत बरनाला, बरकतुल्लाह खान राव वीरेंद्र सिंह जैसे राजनेता, बाबा बक्सा बोहरा, बाबा धन्ना बोहरा और नंदराम बोहरा जैसे लोगों ने समय-समय पर देश समाज और गरीब तबके को सहारा दिया तो भी इस क्षेत्र को पिछड़ा होने का तबका मिला है। इसका कारण है कि इन सब विस्तृत ऐतिहासिक धार्मिक सांस्कृतिक घटनाक्रमों को और महापुरुषों को हमने वह सम्मान और वह स्थान नहीं दिया ,जो हम आज भी दूसरों लोगों के लिए मन में रखते हैं।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह का आयोजन

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा प्रकृति सहित अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में लीगल लिटरेसी कार्यक्रम कनीना ब्लॉक के हेड नरेश यादव मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि क्लस्टर हेड विनोद जांगड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाते नजर आए। मुख्य अतिथि नरेश यादव ने राज्य स्तर पर कविता पाठ प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली छात्रा प्रकृति को विशेष रूप से सम्मानित करते हुए 1100 की नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंडल स्तर पर रोड सेफ्टी विषय पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सोनम पुत्री शमशेर तथा अन्य विजेता विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। चेयरमैन रूपराम यादव, प्राचार्य रामवीर यादव तथा समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयां देगा और उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

खबर संक्षेप

महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक के लिए तड़के सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गई। जो मंदिर परिसर से लेकर मुख्य मार्ग तक फैली हुई थीं। अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने अपनी पत्नी रितु यादव के साथ उनके गांव श्यामपुरा के मंदिर में भगवान शिव पर जल चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। वहीं भक्त अपने हाथों में जल, दूध, बेलपत्र लिए हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। भक्त व्रत रखकर भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा करते हैं। वे दांपत्य सुख, समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं।

चेतावनी: सात दिन लगातार अनुपस्थित रहने पर विद्यार्थियों के कटेंगे नाम

छात्रों के लिए नियुक्त हुआ मेंटर अब फोन से होगी काउंसलिंग

महेंद्रगढ़। महाविद्यालय का मुख्यद्वार।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए कॉलेज प्रशासन ने कड़ा संदेश हैं। कॉलेज प्रशासन ने सख्त शब्दों में कहा कि जो विद्यार्थी अगर सात दिन तक अनुपस्थित रहेगा, उनका सीधे तौर पर नाम काट दिया जाएगा। अगर बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर परीक्षा से भी वंचित रखा जा सकता है। राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने सख्त शब्दों में अवगत कराया है कि महाविद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित की जा रही है तथा अब किसी भी विद्यार्थी द्वारा बंक मारना अथवा बिना सूचना अनुपस्थित रहना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। सभी विद्यार्थियों को अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए एक मेंटर नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं स्टाफ सदस्य मेंटर के रूप में अपने-अपने निर्धारित समूह के विद्यार्थियों की शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं करियर संबंधी काउंसलिंग करेंगे। मेंटर अपने समूह के विद्यार्थियों के साथ निरंतर संपर्क में रहेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर फोन के माध्यम से उनकी शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपस्थिति की नियमित निगरानी भी करेंगे।

अनुशासनहीनता पर पूर्ण रोक

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है, ताकि कोई भी विद्यार्थी पढ़ाई में पिछड़ न सके और अनुशासनहीनता पर पूर्णतः रोक लगाई जा सके। विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि बिना उचित कारण के अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने यह भी बताया कि यदि कोई विद्यार्थी लगातार सात दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो उसका नाम महाविद्यालय से काट दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित विद्यार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा तथा उसे विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अनुशासन की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें

प्राचार्य ने सभी प्राध्यापकों को भी निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करें तथा अनुशासन की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। अभिभावकों से भी आग्रह किया गया है कि वे अपने बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करवाएं तथा महाविद्यालय प्रशासन के साथ सहयोग करें। इससे उन्हें अपने बच्चे के कॉलेज आने या नहीं आने की जानकारी तो प्राप्त हो ही सकेगी। साथ ही उन्हें बच्चे की अन्य गतिविधियों की भी जानकारी मिल सकेगी। वह कॉलेज आतो है तो पढ़ने में कैसा है, भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कितनी कठोर मेहनत करता है या फिर मोबाइल फोन पर रील देखने में व्यस्त है या अन्य गलत गतिविधियों में तो नहीं पड़ा हुआ है। इन सब बातों को भी अभिभावकों को जाना चाहिए। क्योंकि बच्चों के भविष्य पर ही उनका भविष्य भी टिका हुआ है। महाविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, परंतु इसके लिए विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमितता एवं गंभीरता के साथ अपनी पढ़ाई में संलग्न रहना अनिवार्य होगा।

नारनौल। कार्यक्रम में पहुंची चेयरपर्सन कमलेश सैनी का स्वागत करते हुए।

मिस प्रीति यादव व मिस्टर फेयरवेल बने मयंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में ढाणी किरारोद स्थित गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विदाई समारोह हुआ। इसमें कक्षा 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं के विद्यार्थियों को फेयरवेल पार्टी दी गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश की उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक सुशील कुमार शीलू मौजूद रहे। अध्यक्षता शिक्षण संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने की। सर्वप्रथम 12वीं कक्षा के सभी बच्चों को तिलक लगाकर उनका सम्मान किया गया। दोनों कक्षाओं के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व नाटक की प्रस्तुति प्रदान की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप अच्छी मेहनत कर निरन्तर आगे बढ़ते रहना। उन्होंने विशेष कर लड़कियों से कहा कि लड़कियों पर दो घरों की जिम्मेदारी होती है। जब श्रेष्ठ कार्य करती हैं तो दोनों का सम्मान होता है। सुशील कुमार ने बच्चों को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रेरित किया। मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी ने बच्चों को पिता के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की। संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि आप 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात आपके लिए विभिन्न मार्ग खुल जाते हैं। जिसमें से आपको श्रेष्ठ मार्ग चुनना है जिससे आप अपने मुकाम को हासिल कर सके। प्राचार्य नेतराम सैनी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पार्टी में प्रीति यादव को मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल मयंक चुना गया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, सुनीता यादव, प्रिया यादव, प्रवीन सैनी, हेमंत कुमार, कृष्ण कुमार, प्रीतम, निशा यादव, पूनम सैनी, लक्ष्मी शर्मा, कविता आदि मौजूद रहे।

रेलवे आयुक्त ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। अटेली रेलवे स्टेशन पर पूजा अर्चना करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

अटेली-नारनौल रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद रविवार सुबह रेलवे सुरक्षा आयुक्त ई श्रीनिवास अपनी टीम के साथ निरीक्षण के लिए अटेली रेलवे स्टेशन पहुंचे। सुबह निर्धारित समय पर पहुंचते ही उन्होंने पूजा-अर्चना के साथ निरीक्षण कार्य की औपचारिक शुरुआत की। स्टेशन परिसर में डिवीजन के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे और पूरे दिन निरीक्षण की गतिविधियां चलती रहीं। इस दौरान उनके साथ डिप्टी रेलवे सुरक्षा आयुक्त विजय कुमार श्रीवास्तव, टेक्निकल सुरक्षा आयुक्त सुरक्षा आयुक्त एसएनटी तथा रेल मंडल प्रबंधक रवि जैन सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों की टीम ने ट्रैक, सिग्नलिंग व्यवस्था, प्वाइंट्स और क्रॉसिंग सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान ई श्रीनिवास मोटर ट्रॉली के माध्यम से अटेली से बाछौद की ओर रवाना हुए। रास्ते में विभिन्न कैंची प्वाइंटों और तकनीकी स्थलों पर रुककर टीम ने ट्रैक की मजबूती, जोड़ों की गुणवत्ता, स्लीपरों की स्थिति और सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया। सुबह नौ बजे से शुरू हुआ निरीक्षण शाम करीब चार बजे तक लगातार जारी रहा। अधिकारी पूरे समय सक्रिय नजर आए और हर तकनीकी बिंदु को गंभीरता से परखा गया।

रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्त किया एकत्र

नारनौल। शहर के नजदीक गांव मांदी के शिव मंदिर में स्व. सुषमा स्वराज और शहीद पृथ्वी सिंह की स्मृति में युवाओ की पहल पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान 62 युवाओं ने रक्तदान किया। यह कैंप महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक चला। इसमें युवा और महिलाओं की सक्रीय भूमिका रही। 62 के अलावा 20 युवा ऐसे थे जो रक्तदान करना चाहते थे, पर ब्लड बैंक में सीमित क्षमता के कारण उनका रक्त नहीं लिया जा सका। युवाओं के सेवाभाव की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडवोकेट करणसिंह यादव व पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ अभयसिंह यादव रहे। मंच संचालन पवन शर्मा ने किया। अंत में युवाओं की और से सभी रक्तदाताओं, चिकित्सा दल एवम सहयोगी ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

विजय स्कूल में विदाई समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल के 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को विदाई समारोह आयोजित किया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह तथा चेयरमैन विजय यादव टूमना ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित करके किया। सचिव महेंद्र सिंह ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें अपने आगामी भविष्य के लिए शुभकामना दी। इस अवसर पर 11वीं कक्षा के छात्रों ने 12वीं कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी को उनकी खूबियों के अनुसार टाइटल देते हुए उपहार भेंट किए। विदाई समारोह में जूनियर विद्यार्थियों ने सीनियर्स के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, गीत और मनोरंजक गतिविधियां शामिल रही। मंच संचालन 11वीं कक्षा से हिमांशी एवं पायल ने किया। मिस फेयरवेल का खिताब ज्योति पुत्री प्रेमचंद व मिस्टर फेयरवेल का खिताब रौनक पुत्र जयपाल ने हासिल किया। विद्यालय प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन हर एक के लिए अहम पड़ाव होता है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ समाज, राष्ट्र व अन्य गतिविधियों की जानकारी भी मिलती है। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बच्चों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और दृढ़ता के साथ जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सचिव महेंद्र सिंह, उनकी धर्मपत्नी रामकला देवी, चेयरमैन विजय यादव टूमना, उनकी धर्मपत्नी नीतू यादव रहे।

सेवा भाव | घायल गोवंश का ऑपरेशन व उपचार भी स्वयं करते हैं महंत

गोशाला में अंधे व विकलांग गोवंश की हो रही सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना-महेंद्रगढ़ रोड स्थित गांव गुढा व बुचावास की सीमा पर स्थित महंत लक्ष्मण गिरी गौशाला में महंत विट्ठल गिरी महाराज पिछले 17 साल से सडक हादसे में घायल, अंधी, बीमार, अपाहिज गायों की देखभाल कर उनकी सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने अपने जीवन को गोसेवा को समर्पित कर दिया है। उनके इस कार्य से सीमावर्ती गावों के ग्रामीण भी प्रेरित होकर उनके साथ गोसेवा कार्य कर रहे हैं। महंत विट्ठल गिरी महाराज गो प्रेमियों के सहयोग से लगातार इस मिशन को आगे बढ़ा रहे है। गोशाला में

कनीना। बछड़े का ऑपरेशन करने के बाद देखभाल करते महंत विठ्ठलगिरी।

उपस्थित सभी अपाहिज गायों की देखरेख से लेकर ऑपरेशन व उपचार आदि सभी कार्य स्वयं महंत विट्ठल गिरी महाराज द्वारा किया जाता है। इतना ही नहीं, उनकी ओर से संस्कृत भाषा व धर्म प्रेमियों को भी उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।विकलांग गौशाला बुचावास के महंत विठ्ठलगिरी ने बताया कि गोमाता के प्रति उनकी बचपन से ही रूचि रही है। गुरु महाराज के आशीर्वाद के चलते वे जब दसवीं कक्षा में थे तभी से गायों की सेवा करने का निर्णय लिया था। गायों की सेवा के साथ-साथ उन्होंने शल्य चिकित्सा भी करनी शुरू कर दी। फिलहाल वे एक वीएस की भांति घायल गोवंश को बेहोश व सुन करके उनके सफल ऑपरेशन कर उन्हें जीवनदान देने का कार्य कर रहे हैं।

गोसेवा सर्वोपरि

गोमाता स्नेह के चलते बुचावास गोशाला में अंधी, गर्दन टूटी, टांग कटी, जबड़ा टूटा, मिर्गी दौरे, लकवे से पीड़ित गाय, बछड़े, बछिया तथा सांड उपचाराधीन है। जिनके लिए अलग-अलग बैरक बनाई गई हैं। विट्ठल गिरी महाराज ने बताया कि घायल गौवंश इलाज करने के साथ-साथ बीमार पशुओं को स्वस्थ्य करने के लिए पौष्टिक खुराक देनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के बाद गोवंश को स्वस्थ होने में लगभग पांच-छह माह का समय लग जाता है। इस दौरान उन्हें अलग बाड़े में रखा जाता है। सावधानीपूर्वक उनकी देखभाल करनी पड़ती है।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयास से हो रहा विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी।

■ नांगल चौधरी। दयाराम यादव, पूर्व जिला प्रधान भाजपा।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिले की अस्पतालों में संसाधन व सुविधाएं बढ़ी हैं, जिससे मरीजों को निशुल्क और सुविधा पूर्वक इलाज कराना संभव हो पाया है। नांगल चौधरी सीएचसी का करीब 17 करोड़ की लागत से भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही उप स्वास्थ्य केंद्रों के मेंटिनेंस व नए भवन निर्माण का बजट स्वीकृत किया गया है। उक्त विचार भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने भुंगारका में कार्यकर्ता मीटिंग के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ जिले में नांगल चौधरी सीएचसी सबसे बड़ी है, जिसके अंतर्गत 84 गांवों में 1.85 लाख आबादी है। अधिकांश गांवों में यातायात सुविधा नहीं जिस कारण ग्रामीणों को दूर-दराज की अस्पतालों में इलाज कराना मुश्किल रहता है। आबादी के अनुसार नांगल चौधरी सीएचसी को तीस साल पहले अपग्रेड कर दिया था, किंतु भवन निर्माण का बजट स्वीकृत नहीं हुआ था। कंडम भवन में मरीजों व चिकित्सक स्टॉफ को जानलेवा खतरा बना रहता है। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री ने तत्परतापूर्वक सीएचसी का नक्शा तैयार कराया तथा एस्टिमेट के मुताबिक करीब 17 करोड़ बजट स्वीकृत कर दिया। विभागीय पत्र मिलने के बाद पीडब्लूडी विभाग ने टैंडर छोड़ने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इसके अलावा दस से अधिक उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण का बजट मंजूर किया गया है। नारनौल सामान्य अस्पताल में पूरे प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक डिलीवरी होती हैं। अस्पताल में आधुनिक तकनीक वाले संसाधन उपलब्ध नहीं थे, जिस कारण चिकित्सकों को मरीजों का उपचार करने में परेशानी रहती थी। मरीजों की सुविधा के लिए सरकार ने डायलासिस की निशुल्क व्यवस्था तथा डिजिटल अल्ट्रासाउंड मशीन का प्रबंध किया है।

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़वाई: दयाराम

भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव ने बताया कि नियमानुसार एक साल ओपीडी चलने के बाद ही एमबीबीएस कक्षाओं के दाखिले संभव होते हैं। किंतु स्वास्थ्य मंत्री ने सीएम व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर इसी शैक्षणिक सत्र में दाखिले स्वीकृत करवा दिए। इसके अलावा बाबा खेतानाथ आयूर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की दाखिला सीटों को 63 से बढाकर 100 करवा दिया। जिससे विद्यार्थी नजदीक ही मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे।